वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली से प्राप्त मॉडल पाठ्यचर्या के आधार पर संशोधित/परिवर्धित एम0ए0–प्रथम वर्ष हिन्दी–विषय का प्रस्तावित पाठ्यक्रम (शैक्षणिक सत्र : 2018–19 से प्रभावी)

एम0ए0 : प्रथम वर्ष (हिन्दी)

प्रथम प्रश्न–पत्र

प्राचीन काव्य

पूर्णांक – 100

समय : तीन घण्टे

अंक विभाजन	**खण्ड क–**	अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न (लगभग 50 शब्दों में) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से	**(10×2=20)**
	खण्ड ख–	लघुत्तरीय प्रश्न (लगभग 200 शब्दों में) तीन व्याख्या तथा दो प्रश्न द्रुत पाठ से	**(5×10=50)**
	खण्ड ग–	आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– दो (लगभग 500 शब्दों में)	**(2×15=30)**

निर्धारित कवि :–

(1) चन्दबरदायी – दो समय
(2) विद्यापति – 40 पद
(3) कबीर – साखी–30–पद–10
(4) जायसी – दो खण्ड

द्रुत पाठ :–

(1) अब्दुर्रहमान (2) गोरखनाथ
(3) सरहपा (4) नरपति नाल्ह

अनुमोदित पाठ्य ग्रन्थ – प्राचीन काव्य

सम्पादक– (1) डॉ0 सरोज सिंह, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, टी0डी0 कॉलेज, जौनपुर
(2) डॉ0 सर्वेश पाण्डेय, एसो0 प्रो0 हिन्दी विभाग, डी0सी0एस0के0, मऊ

सहायक ग्रन्थ–

1	–	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2	–	कबीर	– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3	–	विद्यापति	– डॉ0 शिव प्रसाद सिंह
4	–	हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान	– डॉ0 नामवर सिंह
5	–	जायसी ग्रन्थावली	– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6	–	नाथ सम्प्रदाय	– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
7	–	जायसी का पद्मावत	– डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत
8	–	भक्ति कालीन सन्त साहित्य	– डॉ0 हरिश्चन्द्र मिश्र
9	–	कबीर – सम्पादक	– डॉ0 विजयेन्द्र स्नातक
10	–	उत्तर भारत की सन्त परम्परा	– आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

हिन्दी द्वितीय प्रश्न–पत्र

मध्ययुगीन काव्य

पूर्णांक – 100

समय : तीन घण्टे

अंक विभाजन

खण्ड क– अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न (लगभग 50 शब्दों में) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से **(10×2=20)**

खण्ड ख– लघुत्तरीय प्रश्न (लगभग 200 शब्दों में) तीन व्याख्या तथा दो प्रश्न द्रुत पाठ से **(5×10=50)**

खण्ड ग– आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–दो (लगभग 500 शब्दों में) **(2×15=30)**

निर्धारित कवि :–

(1) सूरदास	–	चालीस पद
(2) तुलसीदास	–	रामचरित मानस के उत्तरकाण्ड का अन्तिम अंश, विनयपत्रिका के 15 पद
(3) केशवदास	–	रामचन्द्रिका के कुछ अंश, कवि प्रिया के कुछ अंश
(4) बिहारी	–	50 दोहे
(5) घनानन्द	–	30 कवित्त

द्रुत पाठ :–

(1) मीराबाई (2) मतिराम

(3) आलम (4) देव

अनुमोदित पाठ्य ग्रन्थ – मध्ययुगीन काव्य संग्रह

सम्पादक–

(1) डॉ0 आलमगीर अली अहमद, शिवली ने0 कॉलेज, आजमगढ़

(2) डॉ0 राम अवध सिंह यादव, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, श्री गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मालटारी, आजमगढ़

सहायक ग्रन्थ–

1	–	तुलसीदास सन्दर्भ और समीक्षा	– सम्पादक डॉ0 त्रिभुवन सिंह
2	–	तुलसीदास काव्य मीमांसा	– सम्पादक डॉ0 उदयभानु सिंह
3	–	तुलसीदास	– माता प्रसाद गुप्त
4	–	सूरदास	– ब्रजेश्वर वर्मा
5	–	भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य	– मैनेजर पाण्डेय
6	–	सूर और उनका साहित्य	– डॉ0 हरिवंश लाल शर्मा
7	–	केशव और उनका साहित्य	– डॉ0 विजय पाल सिंह
8	–	केशव की काव्य कला	– पंडित कृष्णशंकर शुक्ल
9	–	बिहारी वाग्विभूति	– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10	–	बिहारी का नया मूल्यांकन	– डॉ0 बच्चन सिंह
11	–	घनानन्द और स्वच्छन्द काव्य धारा	– डॉ0 मनोहर लाल गौड़
12	–	भक्ति कालीन कृष्ण काव्य और मानव मूल्य	– डॉ0 हरिशचन्द्र मिश्र

हिन्दी तृतीय प्रश्न–पत्र
आधुनिक गद्य साहित्य

पूर्णांक – 100

समय : तीन घण्टे

अंक विभाजन **खण्ड क–** अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न (लगभग 50 शब्दों में) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से **(10×2=20)**

खण्ड ख– लघुत्तरीय प्रश्न (लगभग 200 शब्दों में) तीन व्याख्या तथा दो प्रश्न द्रुत पाठ से **(5×10=50)**

खण्ड ग– आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–दो (लगभग 500 शब्दों में) **(2×15=30)**

(क) उपन्यास :– (1) गोदान – प्रेमचन्द

(2) चित्रलेखा – भगवती चरण वर्मा

(ख) कहानी :–

निर्धारित कहानीकार – मुंशी प्रेमचन्द, प्रसाद, अज्ञेय, भीष्म साहनी, मार्कण्डेय, अमरकान्त, मन्नू भण्डारी, मैत्रेयी पुष्पा

अनुमोदित पाठ्य ग्रन्थ – 'चयनित कहानियाँ'

द्रुत पाठ :– (1) फणीश्वर नाथ रेणु

(2) कमलेश्वर

(3) राजेन्द्र यादव

सम्पादक– (1) डॉ0 कंचन राय, एसो0प्रो0, डी0एस0एस0के महा0वि0, मऊ

(2) डॉ0 सुनील विक्रम सिंह, एसो0प्रो0, टी0डी0कॉलेज, जौनपुर

(ग) नाटक :– (1) जयशंकर प्रसाद – स्कन्दगुप्त

(2) आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश

(घ) एकांकी :–

निर्धारित एकांकीकार – डॉ0 रामकुमार वर्मा, भुवनेश्वर, उपेन्द्रनाथ अश्क, जगदीश चन्द्र माथुर, लक्ष्मी नारायण लाल, धर्मवीर भारती

द्रुत पाठ :– (1) विष्णु प्रभाकर (2) उदयशंकर भट्ट

(3) सेठ गोविन्द दास

अनुमोदित पाठ्य ग्रन्थ – 'प्रतिनिधि एकांकी'

सम्पादक– (1) डॉ0 अल्ताफ अहमद, एसो0प्रो0 शिबली नेशनल कॉलेज, आजमगढ़

(2) डॉ0 गीता सिंह, एसो0प्रो0, डी.ए.बी., आजमगढ़

(ङ) निबन्ध :–

निर्धारित निबन्धकार – बालकृष्ण भट्ट, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, अध्यापक पूर्ण सिंह, रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, रामविलास शर्मा

द्रुत पाठ :– (1) भारतेन्द्र हरिश्चन्द्र (2) कुबेरनाथ राय

(3) महादेवी वर्मा

अनुमोदित पाठ्य ग्रन्थ – 'प्रतिनिधि निबन्ध'

सम्पादक– (1) डॉ0 विजेन्द्र सिंह, एसो0प्रो0 एवं अध्यक्ष, हंडिया पी0जी0कॉलेज, इलाहाबाद

(2) डॉ0 महेन्द्र त्रिपाठी, असि0प्रो0, हिन्दी विभाग, टी0डी0कॉलेज, जौनपुर

सहायक ग्रन्थ–

1	–	हिन्दी का गद्य साहित्य	– डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2	–	हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद	– डॉ0 त्रिभुवन सिंह
3	–	हिन्दी उपन्यास का इतिहास	– गोपाल राय
4	–	हिन्दी उपन्यास का विकास	– मधुरेश
5	–	कहानी : नयी कहानी	– डॉ0 नामवर सिंह
6	–	हिन्दी कहानी	– डॉ0 राजेन्द्र यादव
7	–	प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन	– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
8	–	नयी कहानी की भूमिका	– कमलेश्वर
9	–	एकांकी और एकांकीकार	– डॉ0 रामचन्द्र महेन्द्र
10	–	हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास	– डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
11	–	हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार	– रामचन्द्र तिवारी

हिन्दी चतुर्थ प्रश्न–पत्र

साहित्य शास्त्र एवं हिन्दी आलोचना

पूर्णांक – 100

समय : तीन घण्टे

अंक विभाजन

खण्ड क– अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 50 शब्दों में) प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से **(2×10=20)**

खण्ड ख– लघुत्तरीय प्रश्न–पाँच (लगभग 200 शब्दों में) तीनों खण्डों से एक प्रश्न अनिवार्य होगा। **(5×10=50)**

खण्ड ग– दीर्घ उत्तरीय प्रश्न– (लगभग 500 शब्दों में) किन्हीं दो खण्डों से एक–एक प्रश्न अनिवार्य होगा। **(2×15=30)**

खण्ड–क : भारतीय साहित्य शास्त्र

(1) काव्य स्वरूप, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा एवं प्रमुख काव्य सम्प्रदाय

(2) रस सम्प्रदाय–रस का स्वरूप इसके अवयव, रस–निष्पत्ति का सिद्धान्त, साधारणीकरण, सहृय की अवधारणा।

(3) अलंकार सम्प्रदाय–अलंकार सम्प्रदाय का परिचय, अलंकार की मूल स्थापनायें, अलंकारों का वर्गीकरण।

(4) रीति–सम्प्रदाय–रीति सम्प्रदाय का परिचय, मूल स्थापनायें, रीति के भेद, रीति एवं गुण।

(5) ध्वनि सम्प्रदाय–ध्वनि सम्प्रदाय का परिचय, ध्वनि की अवधारणा और मूल स्थापनायें, ध्वनि काव्य के भेद।

(6) वक्रोक्ति सम्प्रदाय–वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनायें।

(7) औचित्य सम्प्रदाय–प्रमुख स्थापनायें।

खण्ड–ख : पाश्चात्य साहित्य शास्त्र

(1) प्लेटो का काव्य सिद्धान्त।

(2) अरस्तू का काव्य सिद्धान्त–अनुकरण का सिद्धान्त, त्रासदी की परिभाषा और तत्व, विरेचन का सिद्धान्त।

(3) लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा एवं उसके तत्व

(4) वर्ड्सवर्थ का काव्य भाषा सिद्धान्त।

(5) टी0एस0इलियट–परम्परा और प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण

प्रमुखवाद एवं काव्य सिद्धान्त – शास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, प्रतीकवाद, अस्तित्वाद, मार्क्सवादी काव्य सिद्धान्त, मनोविश्लेषणवादी काव्य सिद्धान्त, नयी समीक्षा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, साहित्य का समाजशास्त्र।

खण्ड–ग : हिन्दी आलोचना

हिन्दी आलोचना का विकास, आलोचना के विविध प्रकार, आलोचना की परिभाषा, आलोचक के गुण और उसका महत्व, हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

प्रमुख आलोचक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य नन्द दुलारे, बाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ0 राम विलास शर्मा, डॉ0 नामवर सिंह, डॉ0 राम स्वरूप चतुर्वेदी।

सहायक ग्रन्थ–

1	–	भारतीय काव्य शास्त्र (भाग–1, 2)	– बलदेव उपाध्याय
2	–	भारतीय काव्य शास्त्र	– योगेन्द्र प्रताप सिंह
3	–	भारतीय काव्य शास्त्र	– तारक नाथ बाली
4	–	काव्य शास्त्र	– भगीरथ मिश्र
5	–	पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धान्त	– डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र
6	–	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	– डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
7	–	भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र तथा हिन्दी आलोचना	– डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
8	–	आलोचक और आलोचना	– डॉ0 बच्चन सिंह
9	–	भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य चिन्तन	– डॉ0 सभापति मिश्र
10	–	आलोचना के आधुनिकवाद और नयी समीक्षा	– डॉ0 शिवकरन सिंह
11	–	हिन्दी आलोचना	– विश्वनाथ त्रिपाठी
12	–	हिन्दी आलोचना का विकास	– मधुमेश

हिन्दी पंचम प्रश्न–पत्र (विशेष अध्ययन)

विशेष कवि एवं लेखक

नोट :– इस प्रश्न–पत्र में कुल 5 कवियों एवं 2 लेखकों को विशेष अध्ययन हेतु निर्धारित किया गया है। इनमें से किसी एक का विशेष अध्ययन करना होगा।

पूर्णांक – 100

समय : तीन घण्टे

अंक विभाजन	**खण्ड क–**	अनिवार्य दस–अति लघुत्तरीय प्रश्न (लगभग 50 शब्दों में) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जायेगें	**(2×10=20)**
	खण्ड ख–	लघुत्तरीय प्रश्न (लगभग 200 शब्दों में) तीन व्याख्या तथा दो लघुउत्तरीय प्रश्न	**(5×10=50)**
	खण्ड ग–	आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–दो (लगभग 500 शब्दों में)	**(2×15=30)**

(1) : कबीरदास

पाठ्य ग्रन्थ :–कबीर ग्रन्थावली–सम्पादक – बाबू श्याम सुन्दर दास (नागरी प्रचारणी सभा काशी)

सहायक ग्रन्थ–

1	–	कबीर	–	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2	–	कबीर वाङ्गमय भाग–1, 2, 3	–	डॉ0 जयदेव सिंह और डॉ0 वासुदेव सिंह
3	–	कबीर मीमांशा	–	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
4	–	कबीर की विचारधारा	–	डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत
5	–	उत्तर भारत की सन्त परम्परा	–	आचार्य परशु राम चतुर्वेदी
6	–	कबीर का रहस्यवाद	–	डॉ0 रामकुमार वर्मा
7	–	कबीर साहब	–	डॉ0 युगेश्वर

(2) : सूरदास

पाठ्य ग्रन्थ :–सूरसागर सार–सम्पादक डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद

सहायक ग्रन्थ–

1	–	सूरदास	–	ब्रजेश्वर वर्मा
2	–	सूर और उनका साहित्य	–	डॉ0 हरिवंश लाल शर्मा
3	–	सूरदास	–	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4	–	सूर संदर्भ और समीक्षा	–	सम्पादक डॉ0 त्रिभुवन सिंह
5	–	सूरदास का काव्य वैभव	–	डॉ0 मुंशीलाल शर्मा
6	–	सूरसागर में लोकतत्व	–	डॉ0 मानधाता राय
7	–	महाकवि सूरदास	–	आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
8	–	मध्यकालीन सांस्कृतिक चेतना का निष्कर्ष पर सूर काव्य	–	डॉ0 विजय बहादुर सिंह

(3) : गोस्वामी तुलसीदास

पाठ्य ग्रन्थ :–

1. रामचरित मानस – बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, गीता प्रेस, गोरखपुर।
2. विनय पत्रिका (सम्पूर्ण), गीताप्रेस, गोरखपुर।
3. कवितावली (केवल उत्तर काण्ड), गीता प्रेस, गोरखपुर।
4. गीतावली (केवल अयोध्याकाण्ड), गीता प्रेस, गोरखपुर।

सहायक ग्रन्थ–

1	–	गोस्वामी तुलसीदास	–	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2	–	तुलसी संदर्भ और समीक्षा	–	सम्पादक डॉ0 त्रिभुवन सिंह
3	–	तुलसी की काव्य साधना	–	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4	–	तुलसीदास	–	सम्पादक डॉ0 वासुदेव सिंह
5	–	तुलसीदास	–	सम्पादक डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6	–	तुलसी संदर्भ और दृष्टि	–	डॉ0 वासुदेव सिंह
7	–	मानस मीमांसा	–	प्रो0 युगेश्वर
8	–	तुलसी की साहित्य साधना	–	डॉ0 लल्लन राय

(4) : जयशंकर प्रसाद

पाठ्य ग्रन्थ :–

(1) कामायनी (2) आँसू

(3) लहर (4) झरना

सहायक ग्रन्थ–

1	–	प्रसाद का काव्य	–	डॉ0 प्रेमशंकर
2	–	काव्यकला तथा अन्य निबन्ध	–	जयशंकर प्रसाद
3	–	कामायनी के अध्ययन की समस्यायें	–	डॉ0 नगेन्द्र
4	–	कामायनी : एक पुनर्विचार	–	गजानन माधव, मुक्तिबोध
5	–	कामायनी का पुनर्मूल्यांकन	–	डॉ0 राम स्वरूप चतुर्वेदी
6	–	जयशंकर प्रसाद	–	आचार्य नन्द दुलारे बाजपेई
7	–	कामायनी अनुशीलन	–	डॉ0 राम लाल सिंह
8	–	प्रसाद साहित्य में उदात्ततत्व	–	डॉ0 गौरीशंकर राय
9	–	कामायनी विमर्श	–	डॉ0 भगीरथ मिश्र
10	–	कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन	–	डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना

(5) : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

पाठ्य ग्रन्थ :– निराला रचनावली–भाग एक और दो – सम्पादक – नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

सहायक ग्रन्थ–

1	–	निराला की साहित्य साधना, भाग–1, 2 एवं 3	–	डॉ0 राम विलास शर्मा
2	–	निराला : आत्महन्ता आस्था	–	दूधनाथ सिंह
3	–	क्रान्तिकारी कवि निराला	–	डॉ0 बच्चन सिंह
4	–	युगाराध्य निराला	–	गंगाधर
5	–	काव्य का देवता : निराला	–	विश्वम्भर मानव
6	–	कवि निराला	–	आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी
7	–	निराला काव्य का अध्ययन	–	डॉ0 भगीरथ मिश्र
8	–	निराला की काव्य भाषा	–	डॉ0 शिवशंकर सिंह

(6) : मुंशी प्रेमचन्द

पाठ्य ग्रन्थ :–

(1) गोदान

(2) रंगभूमि

(3) निर्मला

(4) गबन (उपन्यास)

(5) प्रेमचन्द की प्रतिनिधि कहानियाँ

(6) कुछ विचार–प्रेमचन्द

अनुमोदित पाठ्य ग्रन्थ – प्रेमचन्द की श्रेष्ठ कहानियाँ

सम्पादक – डॉ0 सरोज सिंह

सहायक ग्रन्थ–

1	–	प्रेमचन्द और उनका युग	– डॉ0 रामविलास शर्मा
2	–	उपन्यासकार प्रेमचन्द : उनकी काव्य और जीवन दर्शन	
3	–	कलम का सिपाही : प्रेमचन्द	– अमृतराय
4	–	प्रेमचन्द परिचर्चा	– प्रो0 कल्याणमल्ल लोढ़ा
5	–	भारतीय मुक्ति आन्दोलन और प्रेमचन्द	– डॉ0 सरोज सिंह
6	–	कहानीकार प्रेमचन्द	– सुरेन्द्र आनन्द
7	–	प्रेमचन्द : एक विवेचन	– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान
8	–	प्रेमचन्द के जीवन दर्शन के विधायक तत्व	– डॉ0 कृष्णचन्द्र पाण्डेय
9	–	कहानीकार प्रेमचन्द : रचना दृष्टि और रचना शिल्प	– डॉ0 शिव कुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन
10	–	गोदान का मानववाद	– डॉ0 हरिशचन्द्र मिश्र
11	–	गोदान एक अध्ययन	– राजेश्वर गुरू

(7) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्य ग्रन्थ :–

(1) चिन्तामणि भाग–1 और भाग–2

(2) त्रिवेणी – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा

(3) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का साहित्य इतिहास

सहायक पाठ्य–ग्रन्थ–

1	–	आलोचक और आलोचना	– डॉ0 बच्चन सिंह
2	–	आलोचना के आधुनिक वाद और नयी समीक्षा	– डॉ0 शिवकरण सिंह
3	–	रामचन्द्र शुक्ल	– डॉ0 विश्वनाथ
4	–	हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार	– रामचन्द्र तिवारी
5	–	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	– रामचन्द्र तिवारी
6	–	रामचन्द्र शुक्ल	– मलयज, राजकमल प्रकाशन
7	–	हिन्दी आलोचना और आलोचक	– डॉ0 सरोज सिंह
8	–	हिन्दी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार	– रामचन्द्र तिवारी
9	–	श्रेष्ठ निबन्ध आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	– सम्पादक, रामचन्द्र शुक्ल
10	–	हिन्दी साहित्य का इतिहास	– रामचन्द्र शुक्ल